

Sl. No. :

नामांक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions - 20

SS-23-Sindhi Sah.

No. of Printed Pages - 11

Tear Here

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025
SENIOR SECONDARY EXAMINATION - 2025
सिन्धी साहित्य
(SINDHI SAHITYA)
समय : 3 घण्टे 15 मिनट
पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें
TEAR HERE TO OPEN THE QUESTION PAPER

- شاگردن لاءِ ضروري هدايتون -

- (1) شاگرد سڀ کان پهرين پنهنجي سوالی پيپر تي رول نمبر ضرور لکهن .
- (2) سڀني سوال ڪرڻ ضروري آهن .
- (3) هر هڪ سوال جو جواب ڏنل جوابي ڪاپي ۾ لکڻو آهي .
- (4) سوالن جا جواب ڪنبدانوساء لکڻ .
- (5) سوال جو جواب لکڻ کان اڳه سوال جو نمبر ضرور لکڻ .
- (6) سوالن جي سامعون مارڪون ڏنل آهن .

- शार्गिदिनि लाइ ज़रुरी हिदायतू -

- (1) शार्गिदि सभ खां पहिरीं पंहिंजे सुवाली पेपर ते रोल नंबर ज़रुर लिखनि ।
- (2) सभेई सुवाल करणु ज़रुरी आहिनि ।
- (3) हरहिक सुवाल जो जवाबु, डिनल जवाबी कॉपीअ में लिखिणो आहे ।
- (4) सुवालनि जा जवाब खण्ड अनुसार लिखो ।
- (5) सुवाल जो जवाबु लिखण खां अगु सुवाल जो नंबर ज़रुर लिखो ।
- (6) सुवालनि जे साम्हूं मार्कू डिनल आहिनि ।

यहाँ से काटिए

SS-23-Sindhi Sah.

7019

[Turn over

ڪنبد (ا)

[18 × 1 = 18]

.1 هيٺين سوالن جا صحيح جواب چونڊيو-

- (i) حيرامداس نارايڻداس ملڪا ڏيئي ڪي خط ڪتان لکيو۔
 (ا) ممبئي (ب) شلنگ
 (س) دلي (د) گجرات
- (ii) ,,سسبون سو هجن ته لاهي هوند ڏيان . ,, هي لفظ چيا آهن
 (ا) پيجل (ب) سورن
 (س) رايه ڏياچ (د) انيرائ
- (iii) ,,مهفوظ، لفظ جي معنيٰ آهي۔
 (ا) شروح (ب) منهوس
 (س) مهان (د) سرڪشت
- (iv) ڏاهر سين جيتي مدهاي ويندي آهي۔
 (ا) 25 آگست (ب) 16 جون
 (س) 11 نومبر (د) 26 اپريل
- (v) ,,قدرت سان قرب، مضمون آهي۔
 (ا) اشوري جوتواطي (ب) پوپتي هيرانداڻي
 (س) ڪملا گوگلاڻي (د) هري همڻي
- (vi) نندالال پرسراماڻي جي ڪهاڻي آهي۔
 (ا) روشنيءَ جو سو داگر (ب) هڪ ٻٽيوورهاڱو
 (س) عــــاــــاچاــــچو (د) مهمدرام
- (vii) ,,هجر، لفظ جي معنيٰ آهي۔
 (ا) هزاب (ب) هير
 (س) سرگ (د) جداي
- (viii) ,,لوٽاڻيو سمنڊمان منڙو امرت پائبو، ست ۾ ڪويءَ جونظريو آهي
 (ا) اتم نريپرتا (ب) آشا وادي
 (س) نراشا وادي (د) ديش پڳتي
- (ix) ,,هلو، ڪوتاذريئي ڪويءَ يريڙا ڏني آهي۔
 (ا) ڪرم ڪرڻ (ب) پريڻ ڪي پائڻ
 (س) دهشت فهلائڻ (د) زندگي گذارڻ

- (x) نارايڻ شيام جي رچنا آهي۔
 (ا) سدوساگر (ب) واجهائي تهڏس
 (س) تصويرون (د) كلجڳ
- (xi) ڪيمن مولاڻي جي ڪوتاهه سوڌاگر واپار ڪري ٿو۔
 (ا) مال جو (ب) لاشن جو
 (س) ذرم جو (د) پيار جو
- (xii) ڪملا گوکلاڻي نظم جي۔۔۔۔۔ صنف ۾ ديش جي مهما ٻڌاي آهي
 (ا) تسيتا (ب) دوها
 (س) غزل (د) پنجڪتا
- (xiii) ڳال هيٺين جوڳو ٿرو، اصطلاح جي معنيٰ آهي۔
 (ا) گهڻ ڳال ٿو (ب) مهنتي
 (س) بوجھوڪڻ (د) گهري جانچ ڪرڻ
- (xiv) پاڻ تي پاڙڻ، لاءِ صحيح پهاڪو آهي۔
 (ا) باهه لڳڻ تي ڪوهه ڪوٽڻ (ب) اپني گهوت ته نشا هووي
 (س) جوڌري ڳڏهر ڪپال (د) سڀ ڪوئيني جويار
- (xv) دوهي جي پهرين ۽ ٽين چرڻ ۾ ماتراون ٿينديون آهن۔
 (ا) 11-11 (ب) 13-11
 (س) 13-13 (د) 11-13
- (xvi) هائيڪو ۾ ستون ٿينديون آهن۔
 (ا) ب (ب) چار
 (س) پنج (د) ٽي
- (xvii) دوست ڪي جنمڏينهن تي گهرائڻ بابت لکندا
 (ا) درخواست (ب) شڪايتي خط
 (س) پرچاڻي خط (د) نيديريو خط
- (xviii) ايڪتا جو اوتار جهوليلال، مضمون آهي۔
 (ا) آرٽڪل (ب) ڌارڪ
 (س) سياسي (د) راجنيتڪ

खण्ड - 'अ'

1. (i खां xviii) हेठियनि सुवालनि जा सही जवाब चूडियो -

[18 × 1 = 18]

- i) जैरामदास नारायणदास मल्काणीअ खे खतु किथां लिखियो-
 (अ) मुम्बई (ब) शिलांग
 (स) दिल्ली (द) गुजरात
- ii) "सिसियूं सौ हुजनि त लाहे हूंद डियां ।" हीअ लफ़्ज चया आहिनि -
 (अ) बीजल (ब) सोरठ
 (स) राय डियाच (द) अनीराइ
- iii) 'महफूज' लफ़्ज जी माना आहे -
 (अ) शुरू (ब) मनहूस
 (स) महान (द) सूरक्षित
- iv) डाहरसेन जयंती मल्हाई वेंदी आहे -
 (अ) 25 अगस्त (ब) 16 जून
 (स) 11 नवम्बर (द) 26 अप्रैल
- v) 'कुदरत सां कुर्बु' मज़मून आहे -
 (अ) ईश्वरी जोतवाणी (ब) पोपटी हीरानन्दाणी
 (स) कमला गोकलाणी (द) हरी हिमयाणी
- vi) नंदलाल परसरामाणी जी कहाणी आहे -
 (अ) रोशिनीअ जो सौदागरू (ब) हिक बियो विरहाडो
 (स) ऐं.अजां. छो (द) मुहमद राम
- vii) 'हिज्र' लफ़्ज जी माना आहे -
 (अ) हिजाब (ब) हेर
 (स) सुर्ग (द) जुदाई
- viii) 'लूणाठियो समुंडु मां मिठिडो अमृत पाइबो' सिट में कवीअ जो नज़रियो आहे -
 (अ) आत्मनिर्भरता (ब) आशावादी
 (स) निराशावादी (द) देश भगिती
- ix) 'हलो' कविता जरीए कवीअ प्रेरणा डिनी आहे -
 (अ) कर्म करण (ब) पिरीअ खे पाइण
 (स) दहशत फहिलाइणु (द) ज़िंदगी गुज़ारण
- x) नारायण श्याम जी रचना आहे -
 (अ) सिंधु सागर (ब) वाझाए त ड्रिमु
 (स) तस्वीरू (द) कलजुग

- xi) खीमन मूलानी जी कविता में सौदागरू वापार करे थो -
 (अ) माल जो (ब) लाशनि जो
 (स) धर्म जो (द) प्यार जो
- xii) कमला गोकलाणी नज़्म जी सिंफ में देश जी महिमा बुधाई आहे ।
 (अ) टिसिटा (ब) दोहा
 (स) गज़ल (द) पंजकड़ा
- xiii) 'गाल्हियुनि जो गोयरो' इस्तलाह जी माना आहे -
 (अ) घण गाल्हाऊ (ब) महिनती
 (स) बोझो खणणु (द) गहिरी जांच करणु
- xiv) 'पाण ते भाड़णु' लाइ सही पहाको आहे -
 (अ) बाहि लगण ते खूह खोटण (ब) अपनी घोट त नशा होवे
 (स) जव ढेरी गडुहु रखपालु (द) सभु को बीठे जो यारू
- xv) दोहे जे पहिरिएं ऐ टिएं चरण में मात्राऊं थीदियूं आहिनि -
 (अ) 11 - 11 (ब) 11 - 13
 (स) 13 - 13 (द) 13 - 11
- xvi) हाइकू में सिटूं थीदियूं आहिनि-
 (अ) ब्र (ब) चार
 (स) पंज (द) टे
- xvii) दोस्त खे जनम डीहं ते घुराड़ण बाबति लिखंदा -
 (अ) दरख्वास्त (ब) शिकायती खतु
 (स) परिचाणी खतु (द) नीडं भरियो खतु
- xviii) 'एकता जो अवतार झूलेलाल' मज़मून आहे -
 (अ) आर्थिक (ब) धार्मिक
 (स) सियासी (द) राजनैतिक

[6 × 1 = 6]

(i to vi) صحیح لفظ چونڊي خال ڀريو۔

.2

(ستار، ٿانورداس، سنارو، سادي، نوٽ، ايامن)

(i) فقيرتوهاجي گهڙي ته _____ کان هيڪڙاي هنديني آهي

(ii) عورت ڪيتري نه _____ آهي.

(iii) داداجن جي جنم جونالو _____ هو.

(iv) سائين لڳ _____ اميت مندايون منهنجون.

(v) ڪايا ڪوت ڪچو، آهي _____ مٽي جو.

(vi) نيٺ _____ ساڻ ڪٺ، تنهن ساٿي لنولاءِ ته ڏس

2. (i खां vi) सही लफ़्ज़ चूँडे खाल भरियो -

[6 × 1 = 6]

(सतार, थांवरदास, मुनारो, सादी, निवड़त, अयामनि)

- i) फकीर तव्हांजी घड़ी त खां हिकडे ई हंधि बीठी आहे ।
 ii) औरत केतिरी न आहे ।
 iii) दादा जनि जे जनम जो नालो हो ।
 iv) सांईअ लग । मेटि मंदायूं मुंहिजूं ।
 v) काया कोटु कचो, आहे मिटीअ जो ।
 vi) नेण साणु खणु, तहि साणु लिंव लाए त डिसु ।

(i to xii) हेनिन سوالن जा جواب हक ست ۾ لکو۔

.3

- [1] (i) ليڪڪا جو نجربو ڪيئن ڪامياب ٿيو؟
 [1] (ii) روشنيءَ جو سوڊاگر ڪير هو؟
 [1] (iii) ليڪڪا دادا تي . ايل واسوئيءَ ڪي ڪنهن جو روپ مڃيو آهي؟
 [1] (iv) ڪاڪوايشور ڪلناڻي ڪتي رهندو هو؟
 [1] (v) شاعر سوڊاگر ڪي ڪهڙي هدايت ڪئي آهي؟
 [1] (vi) ڀارت ڪي ڪير سنوارن ٿا؟
 [1] (vii) ,,سنڌ ۽ سنڌي ٿر ۾ شاعر ڇا جو بيان ڪيو آهي؟
 * هيٺ ڏنل ٽڪرو پڙهي سوالن جا جواب لکو۔

ساهتيه ۽ سماج جو پاڻ ۾ گهاتو شمنڊ آهي . ساهتيه سماج ڪي ۽ سماج ساهتيه ڪي متاثر ڪندو رهي ٿو . ساهتيه سماج جي جاگرتا ۾ ساهه ڪئي ٿو . ساهتيه سماج جو اهو وستر آهي جيڪو جنتا جي جيون جي سک - دک، خوشي ۽ غم ، ڪماليت ۽ جواليت جي تاجي پيئي سان اوڻيو وڃي ٿو . اهو ساهتيه جنتا جي جيون جي وياڪيا ڪري ٿو . اهوئي سبب آهي جو ان ۾ جيون ڏيڻ جي طاقت اچي ٿي . هوانسان جي سببان ئي زندهه آهي ، انهيءَ ڪري اهو انسان جي چوگرد فري ٿو . ساهتيه انهيءَ انسان جي آزمودن ، اڏمن ، پاونائن ۽ ڪلائن جو ساڪيات روپ آهي . انسان وري ساماڄڪ پراڻي آهي جتي هو ساماڄڪ مسئلن ، ويچارن ۽ پاوناون جو سرجهڻو آهي ، اتي هوانهن کان ، خود به متاثر ٿئي ٿو انهيءَ اثر جو چتور وپ ساهتيه آهي . انهيءَ ڪرين ودوانن ساهتيه ڪي سماج جو آئينو چيو آهي . سني ساهتيه سان اي اسانجي دل وڏي ۽ من شد ڏئي ٿو . انسان جون پاو نائون ڪومل بڻجن ٿيون ، سڀيتا ۽ فضيلت اچي ٿي . انڪري سماج ۽ ساهتيه جي اهميت آهي .

- [1] متئين ٽڪري جو سرو لڪو. (viii)
- [1] ساهتيه ۽ سماج جو پاڻ ۾ ڪهڙو سمنڊ آهي؟ (ix)
- [1] ساهتيه ڪنهنجو روپ آهي؟ (x)
- [1] ودوانن ساهتيه کي ڇا چيو آهي؟ (xi)
- [1] شد، لفظ جو ضد لڪو. (xii)

3. (i खां xii) हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में लिखो -

- i) लेखिका जो तजुबों कींअं काम्याबु थियो? [1]
- ii) रोशिनीअ जो सौदागरू केरू हो? [1]
- iii) लेखक दादा टी.एल. वासवाणीअ खे कंहिंजो रूप मजियो आहे? [1]
- iv) काको ईश्वर खिलनाणी किथे रहंदो हो? [1]
- v) शाइर सौदागर खे कहिडी हिदायत कई आहे? [1]
- vi) भारत खे केरू संवारिनि था? [1]
- vii) 'सिंधु ऐं सिंधी' शइर में शाइर छा जो बयानु कयो आहे? [1]

* हेठि डिनल टुकिरो पढी सुवालनि जा जवाब लिखो -

साहित्य ऐं समाज जो पाण में घाटो सम्बंधु आहे । साहित्य समाज खे ऐं समाज साहित्य खे मुतासिर कदों रहे थो । साहित्य समाज जी जागरता में साहु खणे थो । साहित्य समाज जो उहो वस्त्र आहे जेको जनता जे जीवन जे सुख दुख, खुशी ऐं गम, कमालियत ऐं जवालियत जे ताजी पेटे सां उणियो वजे थो । इहो साहित्य जनता जे जीवन जी व्याख्या करे थो । इहो ई सबबु आहे जो उन में जीवन डियण जी ताकत अचे थी । हू इन्सान सबबां ई ज़िंदह आहे, उन्हीअ करे उहो इंसान जे चौगिर्द फिरे थो । साहित्य उन्हीअ इंसान जे आजमूदनि, उद्यमनि, भावनाउनि ऐं कलाउनि जो साख्यातु रूप आहे । इंसान वरी सामाजिक प्राणी आहे जिते हू सामाजिक मसहलनि, वीचारनि ऐं भावनाउनि जो सिरजणहार आहे उते हू उन्हनि खां खुदि बि मूतासिर थिए थो इन्हीअ असर जो चिटो रूप साहित्य आहे । इन्हीअ करे विद्वाननि साहित्य खे समाज जो आइनों चयो आहे । सुठे साहित्य सां ई असांजी दिल वडी ऐं मन शुद्ध थिए थो । इंसान जूं भावनाऊं कोमल बणजनि थियूं, सभ्यता ऐं फ़ज़ीलत अचे थी इनकरे समाज ऐं सहित्य जी अहिमयत आहे ।

- viii) मथिएं टुकिरे जो सिरो लिखो । [1]
- ix) साहित्य ऐं समाज जो पाण में कहिडो सम्बंधु आहे? [1]
- x) साहित्य कंहिंजो रूप आहे? [1]
- xi) विद्वाननि साहित्य खे छा चयो आहे? [1]
- xii) शुद्ध लफ़ज़ जो ज़िदु लिखो । [1]

ڪنڊ (س)

खण्ड - 'स'

[3] 14. حوالو سمجھايو۔

،، ڪاڪا ساني توهان جي آتما ڇاڻي چوي ،،؟
يا
،، دادا! توهان اي منهنجا مائپڪي آھيو، ڪنهن وٽ وڃا،؟

14. हवालो समुझायो - [3]

“काका साईं तव्हां जी आत्मा छा थी चवे ।”

या

“दादा ! तव्हां ईं मुंहिंजा माउ पीउ आहियो, कंहिं वटि वजां?”

[3] 15. معنيٰ سمجھايو۔

مچي ويرن وٽ ويو جنسي ٻائيتال،
هرهڪ هند جو لال، ٿي به ماري پوءِ ٿوري .،
يا

وطن ويو جن هٿان، ناهي تن آرام،
ڪڏهن وسري ڪين ڪين ڪنهن کان پنهنجو گام،
نديون هن به جام، پرسندوءَ ۾ ڪوساهه ٿن .،

15. माना समुझायो - [3]

“मची वेरियुनि वटि वियो जिन्सी बाएतालु
हरहिक हिन्दु जो लालु, टीह मारे पोइ थो मरे ।”

या

“वतन वियो जिन हथां, नाहे तिन आराम,
कडुहिं विसरे कीन की कंहिंखां पंहिंजो गाम,
नदियूं हित बि जाम, पर सिंधुअ में को साहु थनि ।”

10

[3] 16. سورتو ڇا ڪه ڇڏيو آهي؟ مثال ڏيئي سمجهايو. [3]
پنجڪڙو ڇا ڪه ڇڏيو آهي؟
يا

16. سورتو ڇا ڪه ڇڏيو آهي؟ ميسال ڏيئي سمجهايو. [3]
يا
پنجڪڙو ڇا ڪه ڇڏيو آهي؟

[3] 17. هيٺين مان ڪن به ٽن اصطلاحن / پهڪن جي معنيٰ لکي جملي ۾ ڪم آڻيو۔ [3]

(i) پا ڪرڪتو مچڻ

(ii) چو هو چنڊڻ

(iii) پٺ ورائي ڏسڻ

(iv) اڳيان باهه پٺيان پاڻي

(v) جهڙو لڳي واوتهڙي ڏجي پٺا،

(vi) نريل ڪير ڪي فوڪون ڏيڻ

17. هيٺين مان ڪن به ٽن اصطلاحن / پهڪن جي معنيٰ لکي جملي ۾ ڪم آڻيو۔ [3]

- i) بياڪر ڪوٽو مچڻ
- ii) ڇو هو چنڊڻ
- iii) پٺ ورائي ڏسڻ
- iv) اڳيان باهه پٺيان پاڻي
- v) جهڙو لڳي واوتهڙي ڏجي پٺا،
- vi) نريل ڪير ڪي فوڪون ڏيڻ

ڪنڊ (د)
ڳڻڻ - 'د'

- [4] 18. اجهو، ناول جي لڪڪ هري موٽوئيءَ جي مختصر واقفيت ڏيندي ناول جون خوليون لڪو يا اجهو، ناول جي ڪردار موهن جو چتر چتر ڪيو
18. [4] 'اڙو' ناول جي لڪڪ هري موٽوئيءَ جي مختصر واقفيت ڏيندي ناول جون خوليون لڪو يا اجهو، ناول جي ڪردار موهن جو چتر چتر ڪيو
- [4] 19. توهان پنهنجي پرنسپال ڪي انٽراسڪول ڪبڊ جي راند چٽاڀيٽي ڪرائڻ بابت درخواست لڪو. يا توهان پنهنجي پڪيءَ ڪي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لڪو.
19. [4] توهان پنهنجي پڪيءَ ڪي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لڪو. يا توهان پنهنجي پڪيءَ ڪي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لڪو.
- [4] 20. ڪنهن به هڪ وڌيڪ تي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لڪو۔ (i) منهنجو منهنجي شاعر. (ii) سنڌي ساهتيه جي اهميت. (iii) سائبر ڪرائم. (iv) پرياورڻ پرڏوشڻ ۽ روڪڻ جا اڀاو.
20. [4] ڪنهن به هڪ وڌيڪ تي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لڪو۔ (i) منهنجو منهنجي شاعر. (ii) سنڌي ساهتيه جي اهميت. (iii) سائبر ڪرائم. (iv) پرياورڻ پرڏوشڻ ۽ روڪڻ جا اڀاو.
20. [4] ڪنهن به هڪ وڌيڪ تي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لڪو۔ (i) منهنجو منهنجي شاعر. (ii) سنڌي ساهتيه جي اهميت. (iii) سائبر ڪرائم. (iv) پرياورڻ پرڏوشڻ ۽ روڪڻ جا اڀاو.



DO NOT WRITE ANYTHING HERE